FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction			
Program: Bachelor in Arts (Degree/Honors)		Semester- VI	
1	Course Code	SNSC-06	
2	Course Title	काव्य एवं काव्यशास्त्र	
3	Course Type	DSC	
4	Pre-requisite (if any)	As per program	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	आदिकाव्य रामायण महाकाव्य के अनुशीलन से भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रसार तथा चारित्रिक आदर्श की प्रेरणा प्राप्त होगी। महाभारत-आधारित ग्रन्थानुशीलन से कथा-परिचय सह राजनीतिक सूझ का विकास होगा। छन्दों के ज्ञान से मौलिक काव्य-निर्माण की योग्यता विकसित होगी। अलंकार-ज्ञान से मौलिक कल्पना तथा चिन्तन को विस्तार मिलेगा।	
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours - learning& Observation
7	Total Marks	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periods (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	किरातार्जुनीयम् (भारवि) प्रथमसर्ग (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
II	वाल्मीकीय रामायण- बालकाण्ड, प्रथमसर्ग (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
III	छंदःशास्त्रम् – अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी,शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता, भुजंगप्रयात।	15

	(उक्त छन्दों के लक्षण के साथ उदाहरण पाठ्यक्रमों से भी दिये जा सकते हैं ।)	
IV	अलंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति, काव्यलिंग, अतिशयोक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति,अपह्नुति,दृष्टान्त, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, यमक, शब्दश्लेष, अनुप्रास, अनन्वय, समन्देह, भ्रान्तिमान्। (नोट उपरोक्त अलंकार की विशेषताओं का अध्ययन चंद्रालोक से अध्येतव्य है, उदाहरण पाठ्यपुस्तकों से भी दिए जा सकते हैं।)	15
Keywords	किरातार्जुनीयम् ,वाल्मीकीयरामायण, छंदःशास्त्रम्,अलंकार	

Signature of Convener & Members(CBoS) :

PART – C : Learning Resources		
Text Books and Others		
Text Books Recommended – 1. किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग) - डा. राजेन्द्र मिश्र, प्रकाशक –सरस्वती प्रकाशन मन्दिर इलाहाबाद 2. वाल्मीकीयरामायण, प्रकाशक–गीता प्रेस गोरखपुर 3. छन्दोमंजरी – डा. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक – चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी 4. चन्द्रालोक – ललन मिश्र, प्रकाशक – चौखम्बा पब्लिशर्स, दिल्ली		
e- Resources/ e-books and e-learning portals		
e- Resources/ e-books and e-learning portals		
PART – D: Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods : Maximum Marks : 100 Marks Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks End Semester Exam (ESE) : 70 Marks		
Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher)	Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20 Assignment / Seminar - 10 Total Marks - 30	Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks

End Semester Exam (ESE) :	Two section – A & B Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks

Signature of Convener & Members(CBoS) :